बी.एच.आई.ई.-107

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी)

सत्रीय कार्य
(जुलाई 2023 और जनवरी 2024 सत्रों के लिए)

पाठ्यक्रम कोड : बी.एच.आई.ई.-107

पाठ्यक्रम शीर्षक : आधुनिक यूरोप : मध्य अठारहवीं से मध्य बीसवीं शताब्दी तक

इतिहास संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

सत्रीय कार्य
2023-2024

कार्यक्रम कोड : बी.डी.पी.
पाठ्यक्रम कोड : बी.एच.आई.ई.-107

प्रिय विद्यार्थी,

जैसा कि आपको बी.डी.पी. की कार्यक्रम दर्शिका में बताया गया है आपको इस ऐच्छिक पाठ्यक्रम के लिए एक अध्यापक जांच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करना होगा।

सत्र	जमा करने की तिथि	कहां जमा करना है
जुलाई 2023 सत्र के लिए	**31 मार्च 2024**	**पूरा किया हुआ सत्रीय कार्य अपने केंद्र के संयोजक के पास जमा करा दें।**
जनवरी 2024 सत्र के लिए	**30 सितम्बर 2024**	

सत्रीय कार्य में दिए गए प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को सावधानीपूर्वक पढ़ लीजिए।

सत्रीय कार्य करने से पहले कुछ बातें :

सत्रीय कार्य करने से पहले ध्यान रखें : सामाजिक विज्ञानों में किसी भी तरह के लेखन के लिए चार सोपान आवश्यक हैं। ये हैं (क) योजना (ख) वस्तु चयन (ग) प्रस्तुतीकरण (घ) व्याख्या

क) **योजना** : आपसे क्या प्रश्न पूछा गया है और उत्तर में क्या लिखना है। इस पर विचार कीजिए। इकाइयों का ठीक तरह से अध्ययन कीजिए। कुछ अतिरिक्त जानकारी चाहें तो पुस्तकालय का उपयोग कीजिए।

यह देखें कि प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों में देना है या 250 शब्दों में या सिर्फ 100 शब्दों में। बड़े प्रश्नों के लिए विवरणों के साथ व्याख्या भी करनी होगी। तीसरे प्रकार के प्रश्न के उत्तर में संगत विवरणों को संक्षेप में प्रस्तुत करें।

ख) **वस्तु चयन** : उत्तर देने के लिए आपको सही तथ्यों तथा विवरणों का चयन करना होगा। इसके लिए आप (i) अपनी इकाइयों से नोट्स लें (ii) तथ्यों को ध्यान से देखें और उत्तर के लिए अनावश्यक विवरण निकाल दें और (iii) उत्तर का पहला खाका लिख लें। इससे आपको यह समझने में मदद मिलेगी कि आप उत्तर में क्या सूचनाएं/विवरण प्रस्तुत करना चाहते हैं।

ग) **प्रस्तुतीकरण** : अब आप उत्तर का दूसरा खाका तैयार करें। इससे आप अपने विचारों को स्पष्टता से व्यक्त कर सकेंगे। आप यह भी जान सकेंगे कि दी गयी शब्द-सीमा में आप बात कैसे कह सकते हैं।

उत्तर का तीसरा और अंतिम प्रारूप तैयार कीजिए और देखिए कि आपने सारी आवश्यक बातें अपेक्षित शब्द सीमा में प्रस्तुत की हैं या नहीं।

घ) **व्याख्या** : इतिहास लेखन में व्याख्या की प्रक्रिया का अनन्य स्थान है। आपकी योजना तथा वस्तु चयन में भी व्याख्या की झलक दिखाई देगी। संभवतः, शायद, क्योंकि, इसलिए, आदि शब्दों के साथ आपके वक्तव्य व्याख्या की झलक देते हैं। यहां आपको ध्यान रखना होगा कि आपके तथ्य आपके वक्तव्य का समर्थन करते हैं अथवा नहीं।

टिप्पणी : अगर आपके पास समय सीमित हो तो :

1) पहला प्रारूप तैयार करें, उत्तर की संगतता, शब्द सीमा, आदि पर ध्यान दें, और
2) अंतिम प्रारूप तैयार करें।

अब आप उत्तर लिखने के लिए तैयार होंगे।

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य
बी.एच.आई.ई.-107
आधुनिक यूरोप : मध्य अठारहवीं से मध्य बीसवीं शताब्दी तक

पाठ्यक्रम कोड : बी.एच.आई.ई.-107
सत्रीय कार्य कोड : बी.एच.आई.ई.-107/ए.एस.टी./टी.एम.ए./2023-2024
पूर्णांक : 100

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न के निर्धारित अंक प्रश्न के सामने लिखे हैं।

भाग 1: प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

1) आधुनिक राज्य की महत्वपूर्ण विशेषताओं पर आलोचनात्मक टिप्पणी लिखिए। **20**

अथवा

नेपोलियन बोनापार्ट के अधीन फ्रांस में प्रशासनिक केन्द्रीकरण की प्रक्रिया का विश्लेषण कीजिए।

2) राष्ट्रवाद और राष्ट्रीय-राज्य के विचार को परिभाषित कीजिए। 'राष्ट्रवाद एकीकरण और अलगाव दोनों आंदोलनों का समर्थन कर सकता है।' इसे यूरोप में राष्ट्रवादी लामबंदी के संदर्भ में समझाइए। **20**

अथवा

रूस में समाजवाद के विकास का विश्लेषण कीजिए।

भाग 2: प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए।

3) चार्टिस्ट आन्दोलन पर एक टिप्पणी लिखिए। **12**

अथवा

फ्रांसीसी क्रांति में दार्शनिकों की भूमिका की व्याख्या कीजिए।

4) जर्मन एकीकरण में बिस्मार्क की भूमिका की चर्चा कीजिए। **12**

अथवा

यूरोप में 1848 की क्रांतियों का क्या महत्व था?

5) इंग्लैंड पहला औद्योगिक राष्ट्र कैसे बना? **12**

अथवा

महिलाओं की बदलती स्थिति पर एक टिप्पणी लिखिए।

6) इटली में फासीवाद के उदय की व्याख्या कीजिए। **12**

अथवा

नई आर्थिक नीति पर एक टिप्पणी लिखिए।

भाग 3: प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिए।

7) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिए : **6+6**

(i) उपयोगितावाद
(ii) सांस्कृतिक राष्ट्रवाद
(iii) वर्साय की संधि
(iv) वीमर गणराज्य